राज्य स्तरीय वर्चुअल डाक टिकट प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक–24.02.2022, समय– पूर्वाह्न– 11:30 बजे, स्थान–महामना मदन मोहन मालवीय डाक सांस्कृतिक केन्द्र, आर० ब्लॉक, पटना)

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तथा इस अवसर पर पूरे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस क्रम में बिहार डाक परिमंडल द्वारा 24 से 27 फरवरी, 2022 तक ''भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत'' नामक विषय पर आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय वर्चुअल डाक टिकट प्रदर्शनी ''बिहार डिजिपेक्स–2022'' का उद्घाटन करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। मुझे बताया गया कि यह बिहार में आयोजित पहली राज्य स्तरीय वर्चुअल डाक टिकट प्रदर्शनी है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यन्त समृद्ध है। वस्तुतः भारतीय संस्कृति अनेक जीवन पद्धतियों का समन्वय है। यहाँ विभिन्न जातियों, धर्मों, समुदायों और पंथों के लोग निवास करते हैं, जिनकी अपनी–अपनी परम्पराएँ और संस्कृति हैं। परन्तु इस विविधता के बावजूद भारतीय संस्कृति में एक अनूठी समरसता और एकता दृष्टिगोचर होती है। बिहार डाक परिमंडल द्वारा भारत की इस अनुपम सांस्कृतिक विरासत पर आधारित डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन अत्यंत सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इससे हमारी नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से अवगत हो सकेगी।

डाक टिकट संग्रह एक शौक है, जिसका शैक्षणिक मूल्य अत्यधिक है। एक छोटा–सा डाक टिकट मानव जीवन, कला, विज्ञान, संस्कृति इतिहास, प्रकृति आदि के बारे में काफी जानकारियाँ प्रदान करता है। सीखने की यह प्रक्रिया दृश्य सामग्रियों और आलेखों के माध्यम से और रोचक बन जाती है। डाक टिकट संग्रहण जानकारियों के प्रति अत्यंत सूक्ष्म और संकेन्द्रित ध्यान दे पाने की क्षमता उत्पन्न करता है। यह राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने और सार्वभौमिक भाईचारे को मजबूत करने का एक बड़ा माध्यम है।

पिछले दो सालों में पूरा देश मुश्किल के दौर से गुजरा है। कोविड–19 एक अभूतपूर्व स्थिति थी, जिसने लोगों के जीवन को तबाह कर दिया। इस घातक वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लागू की गई थी, जिसके कारण लोग बहुत सी विपत्तियों एवं कठिनाईयों के साथ जीने को विवश थे।

लेकिन संकट की उस घड़ी में जहाँ चिकित्साकर्मी लोगों की जान बचाने में लगे थे, वहीं डाक विभाग एईपीएस (AePS) एवं पोस्ट ऑफिस ऑन व्हील/मोबाइल पोस्ट ऑफिस के माध्यम से पैसे की जमा एवं निकासी की सुविधा लोगों के दरवाजे पर पहुँचाकर समाज की अनुकरणीय सेवा कर रहा था। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (IPPB) ने लॉकडाउन के दौरान 36 लाख खाता खोले और एईपीएस (AePS) के जरिये लोगों को उनके घर पर आहरण की सुविधा प्रदान की गई और इस प्रकार घर बैठे आम जन को 365 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया। डाक विभाग, बिहार परिमंडल ने राज्य के अत्यंत दूरस्थ एवं अंतिम छोर तक होम आईसोलेटेड कोविड रोगियों को कोविड मेडिकल किट की डिलीवरी 24 से 48 घंटों के भीतर सुनिश्चित करने के लिए दिन–रात काम किया। बिहार डाक परिमंडल का मानवीय दृष्टिकोण और लोगों की सेवा का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है।

हम सभी के लिए यह बड़ी राहत की बात है कि अब कोविड–19 की तीव्रता कम होती जा रही है। चिंता, घबराहट और पाबंदियों के साथ लंबी अवधि बिताने के बाद डाक विभाग द्वारा किया गया यह आयोजन सराहनीय है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य डाक टिकट संग्रहण के शौक को बढ़ावा देने के साथ–साथ डाक टिकट संग्रहकर्ताओं, विशेषकर नवोदित और युवा डाक टिकट संग्रहकर्ताओं और छात्रों को अपने संग्रह के प्रदर्शन का अवसर देना है। मैं इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले डाक टिकट संग्रहकर्ताओं और स्कूली बच्चों के प्रति अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ। मैं इस प्रदर्शनी के आयोजकों को भी साधुवाद देता हूँ तथा इसके सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

मैं बिहार के सभी नागरिकों से इस प्रदर्शनी को ऑनलाइन देखने की अपील करता हूँ। मुझे बहुत खुशी होगी, यदि बच्चे डाक टिकट संग्रहण में अभिरूचि लेकर इसे शौक के रूप में अपनाएँगे तथा अपने ज्ञान में अभिवृद्धि करेंगे।

आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द!

***